ISWK SHARING KNOWLEDGE

कक्षा - 9

शारदा

प्रथम: पाठ : - सत्यं शिवं सुन्दरं संस्कृतम्

हिंदी अनुवाद

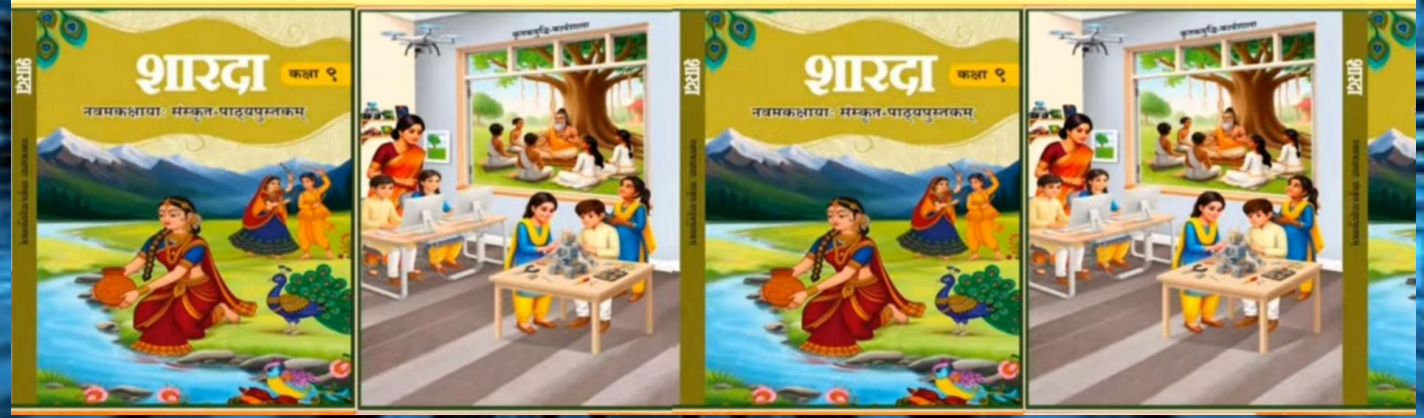

कक्षा - 9

©ISWK

कक्षा - 9

शारदा

प्रथमः पाठ : - सत्यं शिवं सुन्दरं संस्कृतम्

हिंदी अनुवाद

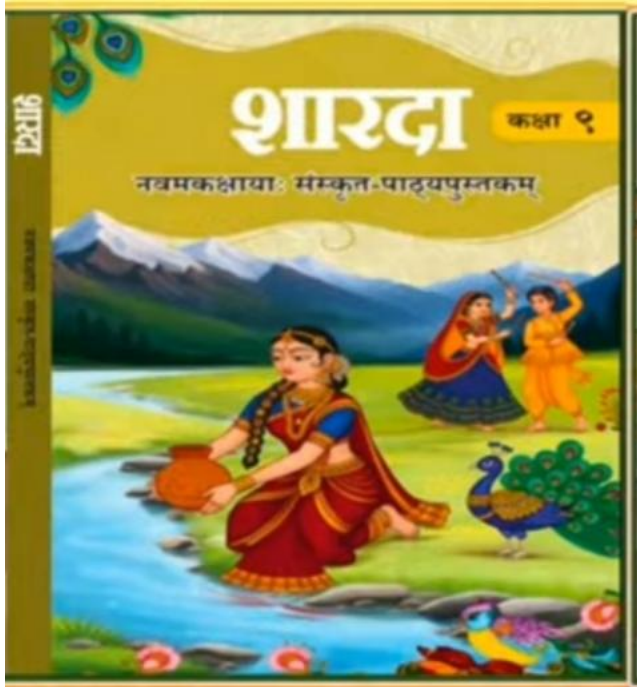

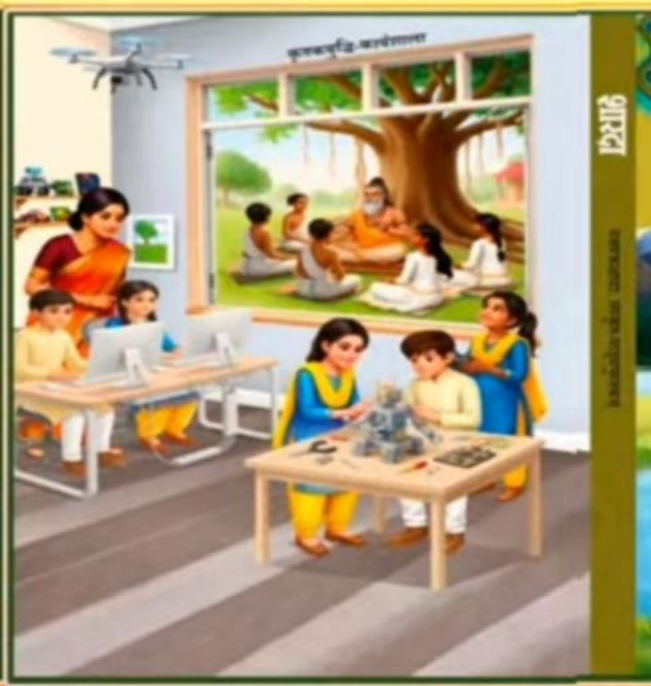

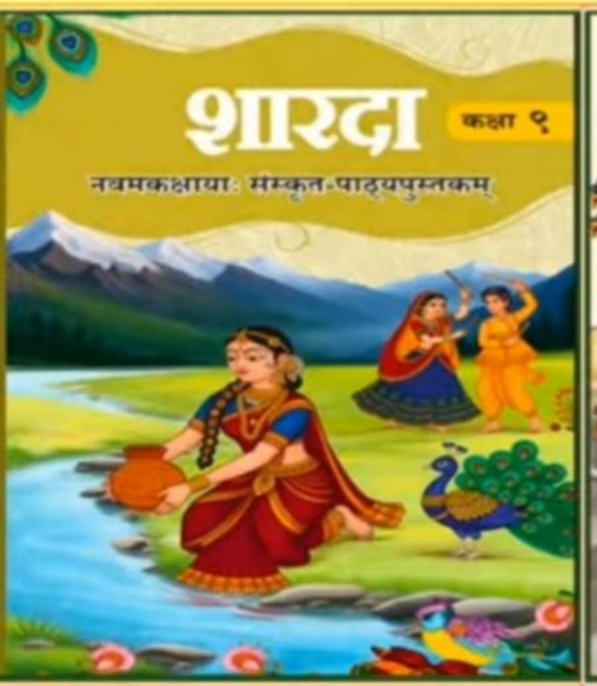

संस्कृतं भारतदेशस्य सम्पदस्ति। अस्मिन् भारतीयानां संस्कृतिः निहिता अस्ति। संस्कृताध्ययनेन मानवः सुसंस्कृतः भवति। भारतीयसंस्कृतेः स्थिरता अपेक्षिता अस्ति। संस्कृताध्ययनस्य विषयमधिकृत्य कविना सुन्दरं गीतं प्रस्तुतम्।

संस्कृत भारत देश की संपत्ति (धन/धरोहर) है।

इसमें भारतीयों की संस्कृति निहित(छिपी हुई) है।

संस्कृत अध्ययन से मनुष्य संस्कारी बनता है।

भारतय संस्कृति की स्थिरता बने रहना अपेक्षित (जरूरी) है।

संस्कृत-अध्ययन विषय को आधार बनाकर कवि के द्वारा सुंदर गीत प्रस्तुत किया गया है।

प्रथमः पाठः - सत्यं शिवं सुन्दरम् संस्कृतम्

भारतीयैकतासाधकं संस्कृतम्।
भारतीयत्वसम्पादकं संस्कृतम्।
ज्ञानपुञ्जप्रदर्शकं संस्कृतम्।
सर्वदानन्दसन्दोहदं संस्कृतम्॥ १॥

भारतीय एकता को स्थापित करने वाली संस्कृत भाषा है।
भारतीयता की भावना को विकसित करने वाली संस्कृत भाषा है ।
ज्ञान का भंडार दिखाने वाली संस्कृत भाषा है।
हमेशा आनंद का भंडार देने वाली संस्कृत भाषा है।

सर्वमस्तिष्कसंस्कारकं संस्कृतम्।
सर्ववाणीपरिष्कारकं संस्कृतम्।
सत्पथप्रेरणादायकं संस्कृतम्।
सद्गुणग्रामसन्धायकं संस्कृतम्॥ २॥

संस्कृत सभी लोगों के मन को शुद्ध करती है,
संस्कृत सब लोगों की वाणी (शब्दों) को परिष्कृत करती है,
संस्कृत सही मार्ग की प्रेरणा देती है और
संस्कृत अनेक अच्छे गुणों का उत्पादन करती है।

विश्वबन्धुत्वविस्तारकं संस्कृतम्।
सर्वभूतैकताकारकं संस्कृतम्।
सर्वतः शान्तिसंस्थापकं संस्कृतम्।
पञ्चशीलप्रतिष्ठापकं संस्कृतम्॥ ३॥

संस्कृत विश्व बंधुत्व को बढ़ावा देती है,
संस्कृत सभी प्राणियों की एकता को प्रबुद्ध करती है,
संस्कृत हर जगह शांति स्थापित करती है और
संस्कृत पंचशील (अच्छे सिद्धांतों) को स्थापित करती है।

त्यागसन्तोषसेवाव्रतं संस्कृतम्।
विश्वकल्याणनिष्ठायुतं संस्कृतम्।
ज्ञानविज्ञानसम्मेलनं संस्कृतम्।
भुक्ति-मुक्तिद्वयोद्वेलनं संस्कृतम्॥ ४॥

संस्कृत त्याग, संतोष और सेवा का व्रत सिखाती है,
संस्कृत हमें सिखाती है कि केवल संसार के कल्याण के लिए
ज्ञान और विज्ञान को संयोजित किया जाना चाहिए और
भोग (सांसारिक सुख) और मुक्ति (मोक्ष) का मार्ग संस्कृत में उपलब्ध हैं।

धर्मकामार्थमोक्षप्रदं संस्कृतम्
ऐहिकामुष्मिकोत्कर्षदं संस्कृतम्
कर्मदं ज्ञानदं भक्तिदं संस्कृतम्
सत्यनिष्ठं शिवं सुन्दरं संस्कृतम्

संस्कृत धर्म, कामना (इच्छा), धन और मोक्ष का साधन है,
संस्कृत इस लोक और परलोक दोनों में उन्नति देनेवाली है।
संस्कृत कर्म करने का अवसर (पुरुषार्थ) देने वाली, ज्ञान देने वाली
और भक्ति प्रदान करने वाली है।
और संस्कृत सत्य, कल्याणकारी और सुंदर है।

शब्दलालित्यलीलावनं संस्कृतम्

चारुमाधुर्यधारागृहं संस्कृतम्

विश्वचेतश्चमत्कारकं संस्कृतम्

पूर्वजानां यशः स्मारकं संस्कृतम्

संस्कृत भाषा शब्दों की सुंदरता (मधुरता) का खेल रूपी बगीचा (उद्यान) है,

संस्कृत भाषा सुन्दर माधुर्य (मिठास) की धारा का घर है,

संस्कृत भाषा पूरे विश्व के मन को चमत्कृत (आश्चर्यचकित) करने वाली है,

संस्कृत भाषा हमारे पूर्वजों के यश (कीर्ति) को याद दिलाने वाला स्मारक है।

नमो नम: मित्राणि